यूहन्ना

यूहन्ना रचित सुसमाचार

१ आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के
साथ था, और वचन परमेश्वर था।
२ यही आदि में परमेश्वर के साथ था।
३ सब कुछ उनके द्वारा उत्पन्न हुआ और जो
उत्पन्न हुआ है, कुछ भी उनके बिना उत्पन्न नहीं
हुआ।
४ उन्हीं में जीवन था; और वह जीवन मनुष्यों
की ज्योति था।
५ और वह ज्योति अन्धकार में चमकी और
अन्धकार ने उसे ग्रहण नहीं किया।
६ एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा गया था,
जिसका नाम यूहन्ना था।
७ वह [a]साक्षी देने के लिए आया, कि उस ज्योति
के विषय में [b]साक्ष्य दें, ताकि सब लोग उसके
द्वारा विश्वास करें।
८ वह *स्वयं तो* ज्योति नहीं था किन्तु उस ज्योति
के विषय में साक्ष्य देने आया था।
९ वह सच्ची ज्योति थी, जो जगत में आने वाले
हर एक मनुष्य को [c]प्रकाशित करती है।
१० वे जगत में थे, और जगत उनके द्वारा उत्पन्न
हुआ, परन्तु जगत ने उन्हें नहीं पहिचाना।
११ वे अपनों के मध्य आए परन्तु उनके अपने
लोगों ने उन्हें ग्रहण नहीं किया।
१२ परन्तु जितनों ने उन्हें ग्रहण किया, *अर्थात्*
उनके नाम में विश्वास किया उन सब को उन्होंने
परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया;
१३ वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य
की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से जन्में हैं।
१४ और वचन देहधारी हुआ, और अनुग्रह और
सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा
किया; और हम ने उनकी *ऐसी* महिमा देखी,
जैसी पिता के एकलौते जनित *पुत्र* की [d]महिमा।
१५ यूहन्ना ने उनके विषय में साक्ष्य दिया, और
पुकारकर कहा, "ये वे ही हैं, जिनके *विषय में* मैंने
कहा था कि जो मेरे बाद आ रहे हैं, *वे* मुझसे [e]श्रेष्ठ
हैं, क्योंकि वे मुझसे पहले थे।"
१६ और उनकी परिपूर्णता से हम सब ने पाया है;
हाँ, अनुग्रह पर अनुग्रह।

---

a साक्षी का अर्थ है गवाह। *b* साक्ष्य का अर्थ है गवाही और/या सबूत। *c* प्रबुद्ध *d* 'जनित' का अर्थ है: जन्मा हुआ; तो 'एकलौते जनित पुत्र' का अर्थ है: इकलौता बेटा जिसका जन्म हुआ है। *e* अग्र

This sample page is for style and size guidance only and cannot accurately represent the quality of the actual printed text. Your printout of this page may show text lighter or heavier than in our actual Bibles depending on the printer used.

If printed actual size this bar should measure 10cm/100mm

If printed actual size this bar should measure 4"

The above image and setting is the property of the Trinitarian Bible Society.
This sample is reproduced for your personal use only—not for distribution.